भाग्यं भवति कर्मणा

आपका मासिक राशिफल
माह दिसम्बर – 2015

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति 01 दिसम्बर

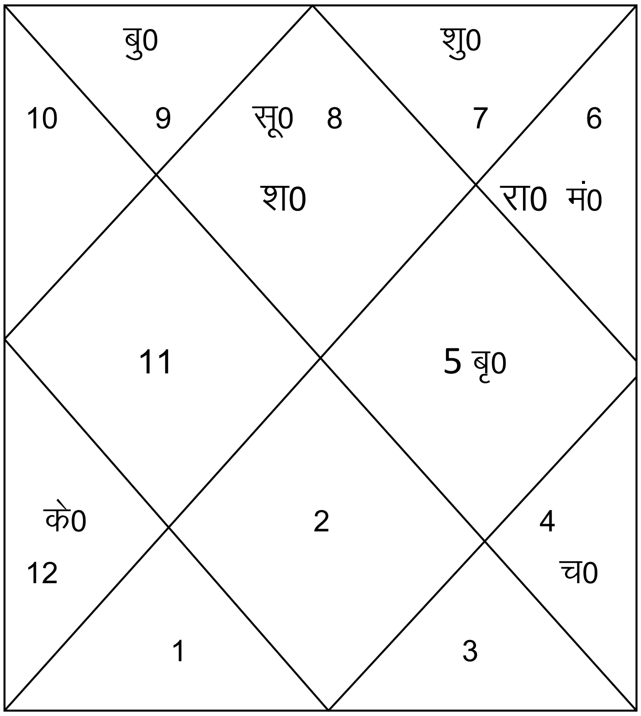

मेषः– चू, चे, चो, ला, ली, लू, लो, अ

उपस्थित हो रहे यात्रा प्रसंगो की सार्थकता स्वतः ही सिद्ध होगी। जीवन संगिनी के साथ इस माह मधुरतम पलों का बेहतर सदुपयोग करने मे सक्षम रहेंगे। सौन्दर्य–प्रसाधन से जुड़ा व्यवसाय फलता–फूलता नजर आ सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा मे किये गये प्रयास सार्थक दिशा की ओर अग्रसर होंगे। संतान पक्ष की ओर से कोई

सुखद समाचार प्राप्त होगा। माह का दूसरा सप्ताह ग्रहस्थी के दृष्टिकोण से बेहतरीन प्रतीत होगा। अरिष्ट निवारण के लिये किसी सुयोग्य पात्र को मंगलवार के दिन गेहूँ दान करना बेहतर रहेगा। तारीख 4, 5, 6, 7, 8, 9, 14, 15 बेहतरीन सिद्ध होगी।

वृषः— ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

माह के प्रथम सप्ताह मे अनायास ही किसी नये पुराने मित्र से मुलाकात का हर्ष रहेगा। विरोधियों के साथ भी मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने की जिज्ञासा मन से बाहर आयेगी। भूमि, मकान, वाहन से जुड़े मामले किसी न किसी रुप मे मानसिक असंतोष का वातावरण निर्मित करेंगे। जीवन साथी की घर ग्रहस्थी मे सहयोगी भूमिका के चलते ग्रहस्थ जीवन मे आ रही कठिनाइयों मे कमी आयेगी। मित्रो, सहयोगियों आदि का सहयोग प्राप्त करने मे सफल सिद्ध होंगे। पठन—पाठन कार्यो मे अधिक सफलता की उम्मीद न रखना बेहतर होगा। पेट सम्बन्धी रोग शारीरिक कष्ट का वातावरण बनायेंगे। अरिष्ट निवारण के लिये शुक्रवार के दिन श्वेत श्रंगार की सामग्री सुयोग्य पात्र को दान करे। तारीख 01, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18 शुभ है।

मिथुनः— का, की, कू, के, को, हो, घ, ड़, छ

वाणी मे वाचालता की समाविष्टि स्वतः को प्रतीत होगी। ग्रहस्थ जीवन मे मीठी नोंकझोंक का सामना करना पड़ सकता है। शत्रुओं पर आपकी शमनात्मक कार्यवाही की रणनीति बेहद कारगर कदम सिद्ध होगी। मौसम के बदलते मिजाज के चलते शीत विकार, ज्वर आदि का सामना करना पड़ सकता है। माह के द्वितीय सप्ताह मे कई महत्वपूर्ण मामलो मे सफलता की ओर अग्रसर रहेंगे। हास—परिहास मनोरंजन के साधन बड़ाने के प्रयासों को बल मिलेगा। व्यवसायिक क्रिया—कलापों की वृद्धि के प्रस्ताव लाभ मार्ग की ओर बड़ेंगे। भोजन व्यवस्था मे तीखी—मीठी चीजों से अलगाव की मानसिकता रहेगी। अरिष्ट निवारण के लिये छोटी—छोटी, कुंवारी कन्याओं को बुधवार के दिन भोजन करायें दक्षिणा भी दें। तारीख 2, 3, 4, 9, 10, 11, 12, 13 शुभकारक सिद्ध होगी।

कर्कः— ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कुटुम्ब मे किसी मांगलिक कार्य के सम्पन्न होने का वातावरण निर्मित होगा। साहसिक कारनामों को अन्जाम देने का बेहतरीन माह प्रतीत होगा। नेतृत्व से जुड़े मामलों मे संलग्न रहकर विशेष सामाजिक सुख्याति अर्जित करेंगे। कोर्ट, कचेहरी से सम्बन्धित कामकाज सरलता के साथ सम्पन्न होंगे। माह के प्रथम सप्ताह मे उच्च शिक्षा से जुड़े कार्यो मे प्रगतिशील स्थितियां निर्मित होंगी। पेय पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन बड़ेगा। द्वितीय सप्ताह मे व्यापारिक कार्यों मे प्रगति की उम्मीद बंधती प्रतीत होगी। घर ग्रहस्थी सम्बन्धी कामकाज सामान्य प्रक्रिया की तरह चलेंगे। अरिष्ट निवारण के लिये सोमवार के दिन ऊँ क्षमा कराय नमः मन्त्र का जप करें। तारीख 4, 5, 6, 11, 12, 13, 15, 16 शुभ सूचक प्रतीत होंगी।

सिंहः– मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

माह का प्रथम सप्ताह बेहद खर्चीला सिद्ध हो सकता है। किसी भी विषय पर आपका मानसिक असंतोष चरमोत्कर्ष पर पहुंचता प्रतीत होगा। स्त्री शक्ति का बेहतरीन दिशा मे प्रयोग करने मे सफलता अर्जित होगी। शिक्षा सम्बन्धी कार्यों को विस्तार रुप देने मे सफलता प्राप्त होगी। माह का द्वितीय सप्ताह अधिकाधिक यात्राओं का सूचक सिद्ध होगा। माह का तृतीय सप्ताह व्यापारिक कार्य योजनाओं की दशा और दिशा निर्धारित करने वाला होगा। माह का अन्तिम सप्ताह मे राजकीय मामलो मे उन्नतिशील स्थितियां आयेंगी। धन लाभ से जुड़े कामकाज प्रगति की राह पर होंगे। अरिष्ट निवारण के लिये रविवार को ऊँ हरये नमः मन्त्र का जप करें। तारीख 2, 3, 4, 7, 8, 9, 14, 15, 16 उत्तम है।

कन्याः– टो, पा, पी, पू, पे, पो, ष, ण, ठ

विवादित दिनचर्या तथा वाद–विवाद की स्थितियों मे संयम से काम करना बेहतर होगा। शुभ सूचक क्रिया–कलाप खर्च की अधिकतम सीमा रेखा पार कर सकते हैं। रक्तचाप से जुड़े रोगों से सावधानी बरतना हितकर रहेगा। माह की शुरुवात मे कीर्तन, भजन आदि के कार्यक्रमों मे आपकी भागीदारी सुनिश्चित होगी। अर्थ लाभ से जुड़ी हुयी कार्य योजनायें धीरे–धीरे प्रगति की ओर अग्रसर रहेंगी। साहसिक निर्णय लेने की स्थितियों मे लगातार वृद्धि होती प्रतीत होगी। ग्रहस्थ जीवन से जुड़े हुये मामले आपको नाऊम्मीद कर सकते हैं। माह के अन्तिम सप्ताह शासन से जुड़े हुये आपके हितों मे सुधार होगा। अरिष्ट

निवारण के लिये बुधवार के दिन ऊँ मेधाविने नमः मन्त्र का जप करें। तारीख 4, 5, 6, 9, 10, 11, 17, 18 उत्तम सूचक सिद्ध होगी।

तुलाः– रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

वाणी मे चिड़चिड़ेपन की समाविष्टि के कारण प्रियजनों से वैचारिक मतभेद की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। भोग–विलास की जिज्ञासा मन से बाहर आयेगी। अनैतिक सोसाइटी के साथ अनैतिक खान–पान से अपने आप को दूर रखना हितकर होगा। युवा मित्र वर्ग से आपेक्षित सहयोग प्राप्त करने म सफल होंगे। इस माह कहीं न कहीं किसी न किसी रुप मे उपहार लाभ प्राप्त होने की स्थिति आयेंगी। जीवन संगिनी के साथ कठोर भाषा का प्रयोग न करें उत्तम रहेगा। राजद्वारीय मामलो मे आशानुकूल सफलता प्राप्त होगी। ईश्वर भक्ति मार्ग बेहद रुचिकर प्रतीत होगा। अरिष्ट निवारण के लिये शुक्रवार के दिन ऊँ शुभ लक्षणाय नमः मन्त्र का जप करें। तारीख 1, 2, 3, 4, 7, 8, 9 उत्तम कारक प्रतीत होगी।

वृश्चिकः– तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

बनावटी साज–सज्जा से जुड़ी सामग्री की खरीद–फरोख्त पर व्यय भार के अतिरिक्त श्रोतों का निर्धारण होगा। भगवान भोलेनाथ की कृपा के चलते माह के प्रथम सप्ताह मे कई महत्वपूर्ण मामलो मे सफलता प्राप्त होगी। राजकीय मामलो के लिये यह सप्ताह संजीवनी की तरह कार्य करेगा। शीत विकार, ज्वर, पेट सम्बन्धी रोग शारीरिक कष्ट का वातावरण निर्मित करेंगे। जनहितार्थ कार्यों मे आपकी बड़ रही संलग्नता सामाजिक सुख्याति के मार्ग पर अग्रसर रहेगी। लगातार उपस्थित हो रहे यात्रा प्रकरण मिश्रित परिणामदायक प्रतीत होंगे। माह का अन्तिम सप्ताह घर ग्रहस्थी के दृष्टिकोण से बेहतर है। अरिष्ट निवारण के लिये मंगलवार के दिन लाल वस्त्र सुयोग्य पात्र को दान करें। तारीख 2, 3, 4, 5, 6, 9, 10, 11 शुभकारक है।

धनुः– ये, यो, भा, भी, भू, भे, ध, फ, ढ़

माह का प्रथम सप्ताह भागमभाग जिन्दगी का प्रतीत बनकर उभरेगा। कुसंगति के चलते मानसिक कष्ट का वातावरण बना रहेगा। निर्णय लेने की स्थितियों मे असमजस्य की स्थिति बरकरार रहेगी। भाग्य स्थान मे गोचर का बृहस्पति कई बिगड़ते हुये

मामलो पर राहत कारक सिद्ध होगा। ईश्वर अराधना से जुड़ी हुयी गतिविधियां सरलता से अन्जाम तक पहुंचती प्रतीत होंगी। अनायास ही प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आपकी बड़ती नजदीकियां राजकीय मामलो मे प्रगतिसूचक होंगी। घर ग्रहस्थी सामान्य प्रक्रिया के साथ चलती फिरती प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण के लिये बृहस्पतिवार के दिन सुहाग सामग्री किसी सुहागिन को दान करें। तारीख 4, 5, 6, 7, 8, 9, 12, 13, 14 शुभ सूचक सिद्ध होगी।

मकरः– भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

माह के प्रथम सप्ताह मे जीवन संगिनी के साथ मधुरतम पलों का सदुपयोग करने मे सफल सिद्ध होंगे। अनुसन्धान से जुड़े हुये क्रिया–कलापों मे आपकी भागीदारी लाभ मार्ग की ओर अग्रसर रहेगी। तरल पदार्थों से जुड़े हुये व्यवसाय मे अधिकाधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। खान–पान व्यवस्था भी विविधता भरी प्रतीत होगी। सार्थकतापूर्ण कार्य खर्च की अधिकता के संकेत देते प्रतीत होंगे। स्त्रीवर्ग की सहयोगी भावना के चलते राजद्वारीय कार्य सकारात्मक पथ की ओर अग्रसर रहेंगे। सच और झूठ की कसौटी पर सत्यता पक्ष की ओर मानसिकता परिवर्तित होगी। मानसिकता नास्तिकता की रहेगी। अरिष्ट निवारण के लिये शनिवार के दिन पीपल के वृक्ष पर कडुवे तेल का दीपक जलायें। तारीख 7, 8, 9, 10, 11, 14, 15, 16 शुभकारक है।

कुम्भः– गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, द

विपक्षियों के साथ भी सामन्जस्य स्थापित करने की रणनीतियों कारगर कदम सिद्ध होंगी। ग्रहस्थ जीवन के अनुभव भी सुखदपूर्ण वातावरण बनाने वाले प्रतीत होंगे। साझेदारी से जुड़े हुये व्यवसायिक मामले प्रगति मार्ग की ओर अग्रसर रहेंगे। आंशिक कठिनाइयों के साथ राजकीय क्रिया–कलाप उन्नति पथ का अहसास करायेंगे। भगवान भक्ति का पथ बेहद रुचिकर प्रतीत होगा। यात्रा करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतना हितकर रहेगा। अप्रिय वचन बोलने की प्रवृतियां भी आप पर लगातार प्रभावी रहेंगी। कुटुम्ब के सदस्यों के साथ तालमेल बेहतर रखें यही अच्छा रहेगा। अरिष्ट निवारण के लिये शानिवार के दिन 08 स्टील के बर्तन किसी सुयोग्य पात्र को दान करें। तारीख 2, 3, 4, 9, 10, 11, 12, 13 शुभ प्रतीत होगी।

मीनः– दी, दू, दे, दो, थ, झ, अ, चा, ची

युवा मित्र मन्डली की सहयोगी भावना के चलते राजकीय कामकाज प्राथमिकता के साथ सम्पन्न होंगे। जीवन साथी के साथ मधुरतम रिश्तों मे धीरे–धीरे बदलाव आता प्रतीत हो सकता है। शत्रु पक्ष की लगातार बड़ती संख्या मनः स्थिति को परिवर्तित करेगी। घर ग्रहस्थी का बिखरता पक्ष धीरे–धीरे संभल सकता है। मौसम के बदलते मिजाज के चलते संतान पक्ष अनायास शीत विकार, ज्वर आदि के शिकार बनेंगे। माह के प्रथम सप्ताह मे शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा मे किये जा रहे प्रयास सार्थक मार्ग की ओर अग्रसर होंगे। यात्रा प्रकरणों से मिश्रित परिणाम की उम्मीद रखना बेहतर होगा। अरिष्ट निवारण के लिये बृहस्पतिवार के दिन ऊँ देवाय नमः मन्त्र का जप करें, लाभ मिलेगा। तारीख 4, 5, 6, 11, 12, 13, 14, 15 शुभ है।

माह के प्रमुख व्रत और त्यौहारः–

1- मु0 पर्व चेहल्लुम, 02 दिसम्बर, बुधवार।
2- श्री कालभैरवाष्टमी, रुक्मिणी अष्टमी (चन्द्रोदय व्यापिनी), कालाष्टमी, प्रथमाष्टमी (उड़ीसा), 03 दिसम्बर, बृहस्पतिवार।
3- उत्पन्ना एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्, 07 दिसम्बर, सोमवार।
4- भौम प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, 08 दिसम्बर, मंगलवार।
5- स्नान दान और श्राद्ध की अमावस्या, रुद्रव्रत – 1 (पीड़ियां) (प्रदोष व्यापिनी), 11 दिसम्बर, शुक्रवार।
6- श्री वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम्, 15 दिसम्बर, मंगलवार।
7- श्री राम विवाहोत्सव पंचमी, द्वितीया नाग पंचमी (गुजरात) श्री स्कन्द षष्ठी, दिन मे 01 बजकर 15 मिनट से पंचक प्रारम्भ, 16 दिसम्बर, बुधवार।
8- महानन्दा नवमी, कल्यादि नवमी, नन्दिनी पूजा, 19 दिसम्बर, शनिवार।
9- मोक्ष एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्, गीताजयन्ती, मौन एकादशी (जैन), 21 दिसम्बर, सोमवार।
10- व्रत की पूर्णिमा, श्री दत्तात्रेय जयन्ती (प्रदोष व्यापिनी), 24 दिसम्बर, बृहस्पतिवार।
11- क्रिसमस डे (बड़ा दिन), स्नान दान की पूर्णिमा, सैन्धव नमक दान, नगर परिक्रमा पूर्णिमा, 25 दिसम्बर, शुक्रवार।

12- श्री संकष्ठी गणेश चतुर्थी व्रतम्, चन्द्रोदय रात्रि मे 08 बजकर 59 मिनट पर, 28 दिसम्बर, सोमवार।

13- मु0 पर्व इदे मिलाद, 29 दिसम्बर, मंगलवार।

पंडित आनंद अवस्थी

पं0 आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां रायबरेली

डी–79, साउथ सिटी, लखनऊ एम0बी0 नं0– 9450460208

----E-mail : pt.anand.awasthi@gmail.com